>

Title: Request to start EPF and CPF gratuity scheme for the Anganwadi workers.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : धन्यवाद, अध्यक्ष महोदया । ... (व्यवधान)

झारखंड राज्य में दिनांक 2 अक्तूबर, 1975 को समेकित बाल विकास परियोजना के गठन के पश्चात आंगनवाड़ी केंद्र सेविका और सहायिका की बहाली हुई। ...(व्यवधान)

राज्य भर में वर्तमान में लगभग 80 हजार आंगनबाड़ी सेविकाएं – सहायिकाएं कार्यरत हैं, जो साल के 365 दिन काम करती हैं। ये राज्य स्तर और प्रखण्ड स्तर पर मुख्य कार्य के अलावा विभिन्न कार्यों में अपनी सहभागिता देती हैं। वर्तमान में इनको चार हजार रुपये महीने तनख्वाह मिल रही है। ... (व्यवधान)

मेरा आपसे निवेदन है कि इन लोगों के लिए ई.पी.एफ - सी.पी.एफ. ग्रेच्युटी शुरू करवाई जाए। झारखण्ड प्रदेश में पारा टीचर्स हैं, जो लगभग एक महीने से आंदोलन कर रहे हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई समाप्त हो रही है। आपसे अनुरोध है कि भारत सरकार हस्तक्षेप करके पारा टीचरों की मांग अविलम्ब पूरी करवाएं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री निशिकान्त दुबे, श्री विष्णु दयाल राम, श्री रवीन्द्र कुमार राय, श्री पशुपति नाथ सिंह, श्री लक्ष्मण गिलुवा और श्री सुनील कुमार सिंह को श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 PM.

… (*Interruptions*)

12 31 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14 00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock.

(Hon. Speaker *in the Chair*)

… (*Interruptions*)

14 0½ hrs

At this stage, Shri G. Hari and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Dr. P. Venugopalji, I am requesting you as a leader. This is a very important Bill, which we are going to discuss, now. That is why, I am requesting you to ask your Members to go back to their seats.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It is a very important Bill. They must go back to their seats.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The Speaker cannot give any assurance. Venugopalji, you know it better. Pease ask them to go back to their seats.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Such issues cannot be solved like this. All other States also have their problems. There are rivers in other States also; there are dams also in other States. Everything is there. This is not the way. Dr. Venugopalji, I am

requesting you as a leader that this is a very important Bill. So, please ask your Members to go back to their seats. ये महिलाओं के अधिकार की भी बात हो रही है, एक प्रकार से।

Hon. Members, I am requesting you again and again to go back to your seats.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, नियम 377 के अधीन मामलों को सभा पटल पर रखा जाएगा । जिन सदस्यों को नियम 377 के अधीन मामलों को आज उठाने की अनुमति दी गई है और जो उन्हें सभा पटल पर रखने के इच्छुक हैं, वे बीस मिनट के भीतर मामले का पाठ व्यक्तिगत रूप से सभा पटल पर भेज दें। केवल उन्हीं मामलों को सभा पटल पर रखा माना जाएगा, जिनके मामले का पाठ निर्धारित समय के भीतर सभा पटल पर प्राप्त होगा ।